Centenary Year of Ranchi Institute of Neuro-Psychiatry & Allied Sciences (RINPAS)

The Ranchi Institute of Neuro-Psychiatry and Allied Sciences (RINPAS), located in Kanke, Ranchi, Jharkhand, is a premier institution in the field of mental health care, boasting a rich legacy that dates back over two centuries.

The origins of RINPAS can be traced to the establishment of a Lunatic Asylum in 1795 at Munghyr. After its relocation to Patna Collegiate in 1821, it was eventually shifted to Namkum and then to its present location in Kanke, Ranchi in April 1925. The nomenclature of the Lunatic Asylum was changed to Indian Mental Hospital (IMH). It began operations with 110 male patients on **4th September 1925** and 53 female patients on 19th September 1925. The institution gradually became a central facility for patients transferred from regions such as Patna, Berhampur (Odisha), and Dacca (now Bangladesh).

Post-independence, the hospital was renamed Ranchi Mansik Arogyashala (RMA) in 1958 and was managed under the Bihar State Government. It served patients from multiple Eastern and North-Eastern Indian states. RINPAS stands as a symbol of resilience, reform, and research.

RINPAS is also known for its contributions to mental health research and community outreach. The faculty regularly publishes research articles in national and international journals, and indigenous psychological testing tools developed here are widely used. The 'Tarang' project is ongoing in the institute to train students to become Certified Stress Managers.

In the year 2024-25 alone, the institute served over 71,000 patients, reflecting its critical role in India's mental health infrastructure.

RINPAS today extends its services far beyond the walls of its campus, ensuring that mental health care is accessible, compassionate, and comprehensive. The institute operates several toll-free helplines, offering immediate assistance to those in distress, while its Outpatient Department caters not only to psychiatric conditions but also to general health concerns such as eye, dental, and physiotherapy needs. Specialized counseling for addiction, stress, anxiety, women's health, and child and adolescent issues further highlights its holistic approach.

Within the Psychiatry Department, RINPAS provides diagnosis and treatment of a wide range of mental illnesses, including those related to substance abuse. Women in Jharkhand benefit from free mental health care, and the institute reaches out to rural and tribal communities through dedicated outreach programs. Alongside inpatient and outpatient psychiatric services, the hospital also provides psychological testing, counseling, and rehabilitation support.

The institute has established a network of free clinics that address mental illness, de-addiction, and psychological well-being. These include specialized units such as the Child and Adolescent Mental Health Services, Psychological Guidance Clinics, a Mental Retardation Clinic, and a Counseling Centre. The Suicide Prevention Support Cell, with its dedicated helpline, offers critical life-saving intervention, while the Sakhi Centre provides 24×7 support for women facing domestic violence, sexual assault, or psychological abuse through a coordinated team of police officers, counselors, and legal experts.

In keeping with the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, RINPAS has also constituted medical boards for the certification of specific learning disabilities, intellectual disabilities, autism, and mental illness. The institute runs specialty clinics such as the Tele-Mental Health Centre, Child and Adolescent Guidance and Psychiatry OPDs, as well as psychosocial advice clinics.

The Department of Posts proudly releases a Commemorative Postage Stamp to mark the centenary year of RINPAS, honouring the historical and humanitarian legacy of the institute, which also serves as a national tribute to the cause of mental health and rehabilitation in India.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Gulistan
Text	:	Referenced from the content provided by the proponent



रांची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (रिनपास) का शताब्दी वर्ष

रांची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आरआईएनपीएएस), मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है। यह झारखंड के रांची के कांके उप नगर में स्थित है। इस संस्थान की समृद्ध विरासत दो शताब्दियों से भी अधिक पुरानी है।

रिनपास की स्थापना का इतिहास मुंगेर जिले में 1795 में स्थापित एक मानसिक स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना से माना जा सकता है। 1821 में पटना कॉलेजिएट में स्थानांतरित होने के बाद, इसे अंततः नामकुम और फिर अप्रैल 1925 में रांची के कांके में इसके वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। आगे चलकर इस मानसिक स्वास्थ्य संस्थान का नाम बदलकर भारतीय मानसिक चिकित्सालय (आईएमएच) कर दिया गया। इस संस्थान ने 4 सितंबर 1925 से 110 पुरुष रोगियों और 19 सितंबर 1925 से 53 महिला रोगियों के साथ कार्य करना शुरू किया। धीरे–धीरे यह संस्थान पटना, ब्रह्मपुर (ओडिशा) और ढाका (अब बांग्लादेश) जैसे क्षेत्रों से आने वाले रोगियों के लिए भी सुविधा का एक केंद्र बन गया।

स्वतंत्रता पश्चात, 1958 में अस्पताल का नाम बदलकर रांची मानसिक आरोग्यशाला (आरएमए) कर दिया गया और इसके प्रबंधन का दायित्व बिहार राज्य सरकार ने ले लिया। अस्पताल भारत के पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र से आने वाले कई राज्यों के रोगीयों का उपचार करने लगा। रिनपास मानसिक रोगियों के आत्मबल बढ़ाने, उनकी मानसिक दशा में सुधार करने और शोध का प्रतीक है।

रिनपास मानसिक स्वास्थ्य शोध और सामुदायिक पहुँच में अपने योगदान के लिए भी जाना जाता है। यहां के संकाय के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में नियमित रूप से शोध लेख प्रकाशित होते रहते हैं और अस्पताल में ही विकसित स्वदेशी मनोवैज्ञानिक परीक्षण उपकरणों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। संस्थान में 'तरंग' परियोजना चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रमाणित तनाव प्रबंधक बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना है।

केवल 2024–25 के वर्ष में ही, संस्थान ने 71,000 से अधिक रोगियों का उपचार किया है, जो भारत के मानसिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

रिनपास आज अपने परिसर की चारदीवारी से बाहर भी सेवाएं प्रदान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सहानुभूति और समग्र रूप में सुलभ है। संस्थान ने कई टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबरों की सुविधा भी प्रदान की हुई है, जिससे अत्यधिक मानसिक कष्ट झेल रहे लोगों को तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। जबकि इसका बाह्य रोगी विभाग न केवल मनोचिकित्सा दशाओं का, बल्कि सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे नेत्र, दंत का उपचार और फिजियोथेरेपी भी प्रदान करता है। व्यसन, तनाव, चिंता, महिला स्वास्थ्य और बाल एवं किशोर संबंधी समस्याओं पर उपलब्ध विशेष परामर्श इसके समग्र दृष्टिकोण को और भी उजागर करता है।

रिनपास के मनोचिकित्सा विभाग में मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित मानसिक रोगों सहित कई प्रकार की मानसिक बीमारियों का निदान और उपचार किया जाता है। झारखंड में महिलाओं को निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलता है और संस्थान समर्पित आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी समुदायों तक भी चिकित्सा सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करता है। अस्पताल में भर्ती किए गए रोगी और बाह्य रोगियों को मनोरोग सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ यह संस्थान मनोवैज्ञानिक परीक्षण, परामर्श और पुनर्वास सहायता भी प्रदान करता है।

संस्थान ने निःशुल्क क्लीनिकों का एक नेटवर्क स्थापित किया है, जिसमें मानसिक रोग, नशामुक्ति और मनोवैज्ञानिक कल्याण की सुविधा प्रदान की गई है। इसमें बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन क्लीनिक, एक मानसिक मंदता क्लीनिक और एक परामर्श केंद्र जैसी विशिष्ट इकाइयां शामिल हैं। आत्महत्या रोकथाम सहायता प्रकोष्ठ, अपनी समर्पित हेल्पलाइन के माध्यम से, महत्वपूर्ण जीवन रक्षक पहल प्रदान करता है, जबकि सखी केंद्र घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न या मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार का सामना करने वाली महिलाओं को पुलिस अधिकारियों, परामर्शदाताओं और कानूनी विशेषज्ञों की एक समन्वित टीम के माध्यम से चौबीसों घंटे सहायता मुहैया करा रहा है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप, रिनपास ने विशिष्ट अधिगम अशक्तताओं, बौद्धिक अशक्तता, ऑटिज्म और मानसिक रोगों के प्रमाणन के लिए चिकित्सा बोर्ड भी गठित किए हैं। यह संस्थान टेली–मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, बाल एवं किशोर मार्गदर्शन एवं मनोचिकित्सा ओपीडी तथा मनोसामाजिक परामर्श क्लीनिक जैसे विशेष क्लीनिक संचालित करता है।

डाक विभाग रिनपास के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संस्थान की ऐतिहासिक और मानवीय विरासत के सम्मानस्वरूप स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गौरव का अनुभव करता है। यह भारत में मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : सुश्री गुलिस्तां

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित।

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500p
मुद्रितडाक–टिकटें	:	309450
Stamps Printed	:	309450
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00